राजकीय महाविद्यालय, अर्की

ज़िला सोलन, हि. प्र.

वार्षिक प्रतिवेदन

2017-18

NAAC Grade 'B'

मुख्यातिथि

डॉ. नीलम कौशिक

प्राचार्या रा. म. अर्की

प्रस्तुतकर्त्ता

डॉ. सतीश वर्मा

उप प्राचार्य

वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह

29 मार्च, 2018

वार्षिक प्रतिवेदन (सत्र 2017-18)

लेखनः

डॉ. आशा शर्मा (हिन्दी विभाग)

श्री आदित्य सिंह दुल्टा (अंग्रेजी विभाग)

श्रीमती अरूण बाला (पुस्तकालयाध्यक्ष)

महाविद्यालय परिचयः एक नजर

स्वतन्त्रता पूर्व पहाड़ी रियासत बाघल की राजधानी रहा अर्की नगर हिमालय पर्वत की शिवालिक श्रृंखला में स्थित है जो अपनी गुफाओं और गुफानुमा मन्दिरों के लिए देशभर में जाना जाता है। इसी नगर में राजकीय महाविद्यालय अर्की (जिला–सोलन) की स्थापना जुलाई, 1994 में हुई। इस सह–शिक्षण संस्थान में कला, विज्ञान व वाणिज्य, तीनों संकाय के छात्र–छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इसके अलावा विद्यार्थियों को व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए बी.सी.ए और कम्प्यूटर जैसे व्यवसायिक विषय भी पढ़ाए जा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश विश्व विद्यालय से सम्बद्ध NAAC से बी ग्रेड मान्यता प्राप्त यह महाविद्यालय, अर्की क्षेत्र के छात्रों के लिए थोड़े ही समय में एक महत्वपूर्ण संस्थान के रूप में उभर कर सामने आया है। इस महाविद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उचित कक्षा–कक्ष, पुस्तकालय, लेब, कम्प्यूटर लेब, Wi-Fi की सुविधा के साथ–साथ खेलकूद के लिए खेल मैदान भी उपलब्ध करवाया गया है। बीते वर्ष से विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास रूम व सम्पूर्ण महाविद्यालय परिसर में Wi-Fi की सुविधा भी शुरू करवाई गई है। हाल ही में विद्यार्थियों के शारीरिक विकास हेतु एक आधुनिक उपकरणों से लैस व्यायामशाला महाविद्यालय में स्थापित की गई। विद्यार्थियों में सृजन क्षमता के विकास हेतु महाविद्यालय द्वारा 'पुष्पिता' नामक वार्षिक पत्रिका भी प्रकाशित की जा रही है। सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ–साथ राष्ट्रीय सेवा योजना व रोवर्ज एण्ड रेंजर्स आदि शिक्षेतर गतिविधियों को भी महाविद्यालय में यथेष्ट महत्व दिया जा रहा है।

महाविद्यालय का आदर्श वाक्य है:

"विद्ययाडमृत्तमश्नुते" अर्थात विद्या हमें अमरता की ओर लेकर जाती है।

पंजीकृत छात्रः

	Class	General		SC		ST		OBC		Total
		Boys	Girls	Boys	Girls	Boys	Boys	Boys	Girls	
Arts	1st Sem.	45	117	27	24			3	2	218
	3rd Sem.	34	98	13	47			2	6	200
	5th Sem.	33	110	18	35				1	197
	Total	**112**	**325**	**58**	**106**	**0**	**0**	**5**	**9**	**615**
Science	1st Sem.	40	47	12	10			4	0	113
	3rd Sem.	34	28	10	10			2	1	85
	5th Sem.	18	33	7	9					67
	Total	**92**	**108**	**29**	**29**	**0**	**0**	**6**	**1**	**265**
Comm.	1st Sem.	38	44	10	17	1	0	1	2	113
	3rd Sem.	44	34	23	12			1	1	115
	5th Sem.	40	39	18	9			2	1	109
	Total	**122**	**117**	**51**	**38**	1	0	4	4	337
BCA	1st Sem.	8	1	3	0					12
	3rd Sem.	7	4	1	3			0	1	16
	5th Sem.	7	9	1	1					18
	Total	22	14	5	4	0	0	0	1	46
	G. Total	**346**	**564**	**143**	**177**	**1**	**0**	**15**	**15**	**1263**

परीक्षा परिणाम:

सत्र 2016-17 में महाविद्यालय से उतीर्ण छात्रों ने विश्वविद्यालय परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

संकाय	Total No. of Students appeared in the final Year		Total No. of Students Passed		No of Students Passed with 60% or Above	
	Total	Girls	Total	Girls	Total	Girls
विज्ञान	87	42	87	42	87	42
वाणिज्य	99	50	99	50	99	50
कला	168	122	168	122	168	122

बजट प्रावधान:

महाविद्यालय के लिए सत्र 2017-18 में लगभग 4,04,24,000 रू. (चार करोड़ चार लाख चौबीस हजार) के बजट का प्रावधान किया गया।

महाविद्यालय केन्द्रीय छात्र- परिषद्:

इस महाविद्यालय में वर्ष 2017-18 के लिए केन्द्रीय छात्र परिषद् का मनोनयन मेरिट के आधार पर अगस्त 2017 को हुआ जिसके फलस्वरूप कार्यकारी समिति के लिए निम्न पदाधिकारियों को मनोनीत किया गया-

अध्यक्ष- योगिशा बी.एस.सी. पञ्चम सत्र

उपाध्यक्ष- रोशन लाल बी.ए. तृतीय सत्र

सचिव- गितिका गर्ग बी. कॉम प्रथम सत्र

संयुक्त सचिव- गौरव शर्मा बी.सी.ए. प्रथम सत्र

इन पदाधिकारियों के अलावा 12 कक्षा प्रतिनिधि और 7 मनोनीत सदस्य रोवर्ज़ एण्ड रेजर्स, राष्ट्रीय सेवा योजना, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों व क्लब और सोसाइटी से चुने गए।

अध्यापक- अभिभावक संघ (P.T.A)

अध्यापक अभिभावक संघ (PTA) सदैव ही महाविद्यालय के विकासात्मक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका अभिनीत करता रहा है। अभिभावको-छात्रों एवं महाविद्यालय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु प्रत्येक वर्ष PTA का गठन किया जाता है।

वर्ष 2017-18 के लिए महाविद्यालय अध्यापक अभिभावक संघ का पुन:चुनाव अभिभावकों के सहयोग व सहभागिता से 26 अगस्त, 2017 को हुआ जिसमें निम्न P.T.A पदाधिकारियों को चुना गया:-

1. अध्यक्ष- श्री रोशन लाल वर्मा
2. वरिष्ठ उपाध्यक्ष- श्रीमती प्रभा भारद्वाज
3. उपाध्यक्ष- श्रीमती सरस्वती
4. सह-सचिव- श्री महेन्द्र शर्मा
5. सचिव- डॉ. रमेश शर्मा
6. कोषाध्यक्ष- सुश्री याशिका गुलेरिया
7. सदस्य- डॉ. नवीन भारद्वाज

8. सदस्य-श्री आदित्य सिंह दुल्टा
9. सदस्य- डॉ. आशा शर्मा
10. सदस्य- डॉ. वेदप्रकाश शर्मा

महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. नीलम कौशिक और समस्त शिक्षक व गैर-शिक्षक वर्ग की ओर से मैं समस्त P.T.A कार्यकारिणी का हृदय की गहराई से उनके सहयोग के लिए आभार जताता हूं और ये स्नेहिल सम्बन्ध वर्षो-वर्ष यूं ही बना रहे ये कामना करता हूँ।

छात्रवृत्तियां:

छात्र-छात्राओं को बेहतरीन शिक्षा प्रदान करने हेतु केन्द्रीय व राज्य प्रायोजित योजनाओं के अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2017-18 के तीनों संकायों में कुल 51 छात्रों को छात्रवृतियां प्रदान की गई हैं जिनमें से 3 छात्र और 48 छात्राएं छात्रवृतियां ले रहे हैं।

अनुक्रमांक	छात्रवृति का नाम	कुल छात्रों की संख्या	छात्र	छात्राएं	कुल राशि
1.	Post Matric S.C. Scholarship	8	1	7	30,958
2.	OBC	1	1	0	2,936
3.	IRDP	3	0	3	3,600
4.	इन्दिरा गांधी उत्कृष्ट छात्रवृति	1	1	0	10,000
5.	कल्पना चावला छात्रवृति	38	0	38	5,70,000
	कुल	**51**	**3**	**48**	**6,17,494**

प्राध्यापक एवं कर्मचारी वर्ग:

महाविद्यालय में प्राचार्य के अतिरिक्त शिक्षक वर्ग के 25 पद स्वीकृत हैं जिसमें 22 पदों पर शिक्षक कार्यरत हैं जबकि 03 पद रिक्त हैं। गैर-शिक्षक वर्ग के 22 स्वीकृत पदों में से 20 पर कर्मचारी नियुक्त हैं जबकि 1 जे.एल.ए और 1 वरिष्ठ सहायक का पद रिक्त है।

आगमन:

महाविद्यालय में इस वर्ष मई 2017 में डॉ. नीलम कौशिक ने प्राचार्या के रूप में कार्यभार सम्भाला।

शिक्षक वर्ग में अंग्रेजी विभाग में डॉ. हिमानी सक्सेना, लोक प्रशासन में डॉ. दीपक शर्मा, समाज शास्त्र में डॉ. लक्ष्मी सिन्धु, संस्कृत में डॉ. जगदीश लाल, वाणिज्य विभाग में डॉ. मोहिन्द्र सिंह, भूगोल में डॉ. मनोज जरेट और इतिहास में डॉ. किशोरी लाल ने महाविद्यालय में पदभार ग्रहण किया।

इसी सत्र में गैर शिक्षक वर्ग में अधीक्षक श्री वेद प्रकाश शर्मा, श्रीमती निर्मला देवी और श्रीमती ऊर्मिला देवी (चतुर्थ श्रेणी वर्ग) ने भी पदभार ग्रहण किया।

गमन :

इस सत्र में महाविद्यालय से अंगेजी विभाग से डॉ. दिनेश सिंह कुँवर, डॉ. सरिता शारदा (लोक प्रशासन), डॉ. मस्तराम (भौतिकी), डॉ. संदीप शर्मा (वाणिज्य), डॉ. गिरीश कपूर (गणित), श्रीमती विभा सरस्वती (भूगोल),

डॉ. स्नेह (समाज शास्त्र), डॉ. राकेश शर्मा (संस्कृत), डॉ. विक्रान्त सक्लानी (वाणिज्य), डॉ. नेकराम (भूगोल) और डॉ. भीष्म गुप्ता (इतिहास) भी महाविद्यालय से स्थानान्तरित होकर गए।
गैर शिक्षक वर्ग में अधीक्षक श्री जयदेव शर्मा, चतुर्थ श्रेणी वर्ग में श्री लीला दत्त भी स्थानान्तरित होकर चले गए हैं।

नवनियुक्तियाँ:

इस सत्र में कुछ नवनियुक्तियां भी विभिन्न विषयों में शिक्षक वर्ग में महाविद्यालय में हुई। डॉ. आशा (हिन्दी) सुश्री याशिका गुलेरिया (वाणिज्य), श्री संदीप शर्मा (वाणिज्य) की नियुक्ति हुई।

पदोन्नति:

वरिष्ठ सहायक श्री चमन लाल इसी सत्र में पदोन्नत होकर अधीक्षक बने जबकि श्रीमती पार्वती चतुर्थ श्रेणी से पदोन्नत होकर एल.ए बनीं।

पुस्तकालय:

पुस्तकालय किसी भी संस्थान का महत्वपूर्ण एवं अभिन्न अंग होता है। महाविद्यालय अर्की के पुस्तकालय में वर्त्तमान में 6260 पुस्तकें हैं। 380 पुस्तकें सत्र 2017-18 में रू. 1,68,747 मूल्य में खरीदी गई हैं। पुस्तकालय में 10 दैनिक समाचार-पत्र, 14 पत्रिकाएं और 9 शोध पत्रिकाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं। पुस्तकालय द्वारा INFLIBNET के N-List कार्यक्रम के माध्यम से e-books और e-journals की सुविधा भी दी जा रही है। महोदय, आपको यह बताते हुए हमें हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि इसी वर्ष से पुस्तकालय का अपना Webpage.'librarygdcarkihp.webs.com' के नाम से शुरू किया गया जिसमें विद्यार्थियों और प्राध्यापक वर्ग की सुविधा के लिए e-resources और पाठ्यक्रम से सम्बन्धित Web links दिए गए हैं। पुस्तकालय में 27-28 फरवरी और 1 मार्च 2018 को तीन दिवसीय पुस्तक व पत्रिका प्रदर्शनी आयोजित की गई। पुस्तकालयाध्यक्षा श्रीमती अरूणबाला ने 9 मार्च, 2018 को विद्यार्थियों को 'How to access e-resources' विषय सम्बन्धी जानकारी दी।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA):

सत्र 2017-18 में रूसा के माध्यम से महाविद्यालय को 1.5 करोड़ रू. की अनुदान राशि प्राप्त हुई जिससे महाविद्यालय के विज्ञान विभाग में 3 कक्षा-कक्ष का निर्माण किया गया व विद्यार्थियों की ऊर्जा को सही दिशा देने हेतु महाविद्यालय में व्यायामशाला का निर्माण किया गया व अत्याधुनिक उपकरण विद्यार्थियों को मुहैया करवाये गए।

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन सैल (IQAC):

महाविद्यालय में कक्षा के कमरे आधुनिक तकनीक की दृष्टि से शिक्षार्थियों की गुणवत्ता में वृद्धि करें उक्त सैल इसका निरीक्षण समय-समय पर करता है। पूर्व में प्राध्यापकों के लिए जिन 9 केबिनज़ की मांग की गई थी वे बन कर तैयार हो चुके हैं। विज्ञान विभाग में 3 अतिरिक्त कक्षा-कक्ष का निर्माण कार्य भी समाप्ति की ओर है। खेल मैदान का विस्तारीकरण किया गया है। IQAC के माध्यम से सीवरेज लाइन की मुरम्मत की गई व इसी सत्र में

IQAC ने प्रस्ताव रखा है कि खेल मैदान में स्टेडियम और एक हॉल का निर्माण किया जाए जिसका विभिन्न उद्देश्यों के लिए प्रयोग किया जाए।

कैरियर काउंसलिंग:

महाविद्यालय के कैरियर काउंसलिंग सेल ने 18 दिसम्बर, 2017 को एक कैरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया जिसमें डॉ. रोहित गोयल और डॉ. विनय नेगी (सहायक प्रोफेसर) शूलीनी वि. विद्यालय ने जबकि 16 दिसम्बर, 2018 को चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय से आए श्री रजत कुमार और ब्राइट अकादमी से आए अधिकारियों ने अपना व्याख्यान दिया। विज्ञान, वाणिज्य और बी.सी.ए के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों पर चर्चा की गई। सभी व्याख्याताओं ने विद्यार्थियों को लक्ष्य तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया।

ऐंटी रैंगिंग समिति:

राजकीय महाविद्यालय अर्की में शिष्टाचार, सभ्याचार व अनुशासन बनाए रखने हेतु एक ऐंटी रैगिंग समिति का गठन सह. प्रोफेसर डॉ. मीना शर्मा के नेतृत्व में किया गया है व इस समिति द्वारा रैगिंग के विरोध में जगह-जगह सूचना पट्ट भी लगाए गए हैं जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को रैगिंग जैसी आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

गृह परीक्षाएं:

महाविद्यालय में सत्र (पहले, तीसरे, पांचवे) की गृह परीक्षाएं 11-09-2017 से 19-09-2017 तक जबकि सत्र (दूसरे, चौथे, छठे) की गृह परीक्षाएं 12-19 मार्च, 2018 को आयोजित करवाई गई। गृह परीक्षाओं में छात्रों की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित की जाती है।

महाविद्यालय पत्रिका:

महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों की सृजन प्रतिभाओं को जानने व निखारने हेतु वार्षिक पत्रिका 'पुष्पिता' का प्रकाशन किया जाता है। 2017-18 सत्र में भी बीते वर्षों के समान पत्रिका विभिन्न भाषाओं, विषयों व रंगों में हमारे सामने आई। वर्तमान सत्र के विभिन्न विद्यार्थियों ने पत्रिका सम्पादक डॉ. रमेश शर्मा व सम्पादक मण्डल के दिशा-निर्देशन में अपनी सृजन क्षमताओं व प्रतिभाओं का प्रर्दशन किया।

शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद गतिविधियां:

खेलकूद सम्बन्धी गतिविधियां युवाओं को सहज ही आकृष्ट करती हैं किन्तु खेलकूद गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नियमित अभ्यास, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है। महाविद्यालय के छात्रों में खेलकूद गतिविधियों के प्रति ज़ज्बा उनकी उपलब्धियों में स्पष्ट छलकता है। सत्र 2017-18 भी राजकीय महाविद्यालय अर्की के लिए खेलकूद गतिविधियों व उपलब्धियों भरा रहा। वर्ष भर अनेकों खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इस वर्ष महाविद्यालय द्वारा अन्तर महाविद्यालय वालीबाल महिला वर्ग का शानदार आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 18 टीमों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ S.D.M Arki श्रीमती ईशा ठाकुर ने किया

व प्रतियोगिता का समापन महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. नीलम कौशिक ने किया एवम् विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन– इस वर्ष महाविद्यालय की चौदह टीमों (महिला व पुरूष वर्ग)ने अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। महाविद्यालय की हैंडबॉल टीम ने राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में आयोजित अन्तर महाविद्यालय महिला हैंडबाल प्रतियोगिता में तृतीय स्थान अर्जित किया।

महाविद्यालय की छात्रा यामिनी पाल (बीए. छठा सत्र) ने बास्केटबॉल में हि. प्र. वि. विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। यह प्रतियोगिता कानपुर में आयोजित की गई।

महाविद्यालय की छात्राओं कुमारी दिशा ठाकुर, कुमारी हर्षा पॉल व कुमारी मीना का चयन नार्थ जोन हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ व प्रतियोगिता में हि.प्र. वि. विद्यालय की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मैडल जीता। ये तीनों छात्राएं इस प्रतियोगिता में टीम का हिस्सा रही।

ऑल इण्डिया : अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन : नार्थ जोन प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल जीतने के बाद महिला टीम ने आल इण्डिया इंटर यूनिवर्सिटी के लिए क्वालिफाई किया। यह प्रतियोगिता एल.पी. यूनिवर्सिटी जालन्धर, पंजाब में आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में हि.प्र. वि. वि. ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार आल इण्डिया यूनिवर्सिटी में गोल्ड मैडल जीता व हि. प्र. वि. वि. को गौरवान्वित किया। हमें हमारे खिलाड़ियों कुमारी दिशा ठाकुर, हर्षा व मीना पर नाज है व इस उपलब्धी पर हम इन खिलाड़ियों को बधाई देते हैं।

महाविद्यालय के छात्र विपिन शर्मा, क्रिकेट खिलाड़ी, का चयन बी.सी.सी. आई द्वारा आयोजित अंडर–23 कर्नल सी. के नायडू क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए हुआ। इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के आधार पर विपिन शर्मा ने हि.प्र. रणजी ट्राफी टीम के मैच में जगह बनाई।

कुमारी कविता वर्मा (बी.ए. द्वितीय सत्र) का चयन 40 वीं जूनियर नेशनल हैंडबाल प्रतियोगिता के लिए हुआ। यह प्रतियोगिता कर्नाटक में खेली गई व इस प्रतियोगिता में हि.प्र. की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया व रजत पदक प्राप्त किया।

वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता :

दिनांक 6 मार्च 2018 को महाविद्यालय खेल परिसर में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में सभी एथलैटिक्स प्रतिस्पर्धाएं, क्रिकेट मैच, कबड्डी मैच, महिला व पुरूष वर्ग चैस प्रतियोगिता व कर्मचारी वर्ग के लिए 100 मी. दौड़ आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या ने इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। महाविद्यालय के छात्रों द्वारा शानदार मार्चपास्ट किया गया व सभी खिलाड़ियों द्वारा खेल को खेल की भावना व नियमों के तहत रहकर इस प्रतियोगिता में खेलने की शपथ ली। इस प्रतियोगिता में लड़कियों में कुमारी मीनू बी.ए. द्वितीय सत्र ने 200,400 व 800 मी. दौड़ स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर सर्वश्रेष्ठ धाविका बनने का गौरव हासिल किया व लड़कों में नवीन कुमार व अजय को तीन–तीन स्वर्ण पदक जीतने पर संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ धावक घोषित किया गया।

हाल ही में सरकार द्वारा महाविद्यालय में शारिरिक व खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु 7 लाख 38 हज़ार रू. स्वीकृत किए गए।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ:

महाविद्यालय अर्की के छात्र महाविद्यालय अन्तर महाविद्यालय व विश्वविद्यालय स्तर के सांस्कृतिक आयोजनों में भी उत्साहपूर्वक भाग लेते है। 2017–18 में भी संगीत विभाग के छात्र–छात्राओं ने डॉ. सुरेन्द्र शर्मा व डॉ. सन्तोष शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में कई सांस्कृतिक गतिविधियों में हिस्सा लिया और पुरस्कार जीते। महाविद्यालय के कुछ छात्रों ने राज्य स्तरीय उत्सव शूलिनी मेला व सायर मेला में भी हिस्सा लिया।

अक्तूबर, 2017 में हिमाचल प्रदेश विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला में आयोजित युवा उत्सव समूह–दो (संगीत) की प्रतिस्पर्धा में इस महाविद्यालय ने कई पुरस्कार जीते जैसे–

1. भारतीय समूह गान– द्वितीय स्थान
2. शास्त्रीय समूह गान– तृतीस स्थान

इसके अलावा छात्रों ने उपशास्त्रीय संगीत, लोक गीत व पाश्चात्य एकल गायन में भी अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी को आकर्षित किया।

राजकीय महाविद्यालय अर्की के छात्रों ने समूह तीन की अन्तर महाविद्यालय लोक नृत्य में आकर्षक प्रस्तुतियां दी।

राष्ट्रीय सेवा योजना:

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनील चौहान के कुशल नेतृत्व में रा. से. योजना के स्वयंसेवियों ने समाज सेवा, जागरूकता तथा छात्र–छात्राओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए विविध गतिविधियों का आयोजन किया। सत्र 2017–18 में राष्ट्रीय सेवा योजना की महाविद्यालयी इकाई ने निम्न कार्य किए:–

1. महाविद्यालय पार्क और खेल मैदान के विस्तारिकरण के लिए JCB की मदद लेकर दो दिवसीय शिविर लगवाया।
2. 26 जुलाई, 2017 को परिसर और पार्क सौन्दर्यीकरण के लिए 30 पौधों जैसे अनार, आँवला, जामुन और बेहड़ा रोपे।
3. पौधरोपण सप्ताह में 5–11 अगस्त, 2017 को 200 पौधे जामुन, बेहड़ा, अनार परिसर में लगाए गए व पौधों की सुरक्षा के लिए लोहे के पौध पिंजरे भी लगाए गए।
4. 15 अगस्त, 2017 को स्वतन्त्रता दिवस के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा कॉलेज प्राचार्या व एन.एस.एस स्वयंसेवियों ने पौध रोपण किया।
5. 30 अगस्त, 2017 को एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लैंटाना और फूल लकड़ी जैसी घास उखाड़ी गई।
6. 1 सितम्बर, 2017 को शिक्षकों और तमाम छात्र–छात्राओं ने स्वच्छता ही सेवा, अभियान के तहत स्वच्छता की शपथ ग्रहण की।
7. 24 सितम्बर, 2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया। इसी दिन सिविल अस्पताल अर्की में मरीजों को हाथ सफाई के महत्त्व को बताने के अलावा एन.एस.एस स्वयंसेवियों ने फल एवं जूस भी मरीजों में बांटा।
8. 5–6 अक्टूबर, 2017 को महाविद्यालय के दो एन.एस.एस छात्र हरीश ठाकुर और विनय कुमार ने National Integration Camp में राजकीय महाविद्यालय सीमा में भाग लिया।

9. 26 नवम्बर, 2017 को राष्ट्रीय संविधान दिवस पर संविधान की प्रस्तावना स्वयंसेवियों द्वारा पढ़ी गई और कार्यक्रम अधिकारी ने 'मौलिक अधिकार और कर्तव्य' विषय पर विद्यार्थियों को सम्बोधित किया।
10. 20 दिसम्बर, 2017 को महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।
11. 23-29 दिसम्बर तक 7 दिवसीय वार्षिक शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पोखटू गांव को गोद लिया गया।
12. महाविद्यालय के 3 स्वयंसेवियों ने एड्स पर आयोजित कार्यशाला में राजकीय महाविद्यालय सोलन में 19 जनवरी 2018 को भाग लिया।
13. एन.एस.एस स्वयंसेवियों के लिए फरवरी 2018 में जलियाँवाला बाग, वाघा बोर्डर में एक शैक्षणिक शिविर का आयोजन किया गया।

इको क्लबः

राजकीय महाविद्यालय अर्की में छात्रों को प्रकृति के संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए शुरू किया गया इको क्लब अपने उद्देश्य में सफल साबित हो रहा है। इको क्लब के सक्रिय छात्र सदस्यों ने पहली सितम्बर, 2017 को 13 प्लान्टर्स टेरेकोटा खरीदे और महाविद्यालय परिसर में लगवाए। दूसरे हि.प्र. राज्य विधि प्राधिकरण एवं वनमण्डल अर्की के सहयोग से राजकीय महाविद्यालय अर्की में सत्र 2017 में वन महोत्सव मनाया गया। ईको क्लब के माध्यम से महाविद्यालय में Save Birds, Save Environment विषय पर 6 दिसम्बर 2017 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज का हरा-भरा प्रांगण ईको क्लब की ही देन है।

परिसर सौन्दर्यीकरण समिति :

इस समिति द्वारा इको क्लब व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों की मदद से जीव विज्ञान विभाग के भीतर व महाविद्यालय परिसर में मौसमी फूलों व पौधों का रोपण किया गया।

रैड रिब्बन क्लबः

राजकीय महाविद्यालय अर्की में रैड रिब्बन क्लब सम्बन्धी गतिविधियां प्रायः राज्य एड्स सोसाईटी के दिशा-निर्देश के अनुरूप राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों द्वारा आयोजित की जाती है। 1 दिसम्बर, 2017 को रैड रिब्बन क्लब ने विश्व एड्स दिवसस का आयोजन महाविद्यालय में किया। इस आयोजन के दौरान कॉलेज के छात्र-छात्राओं को एच. आई. वी. व एड्स पर एक डॉक्यूमैंटरी के माध्यम से जानकारी दी गई तथा इस बीमारी से बचने के उपायों के बारे में बताया गया। रैड रिब्बन क्लब के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनील चौहान ने उपस्थित 102 छात्र-छात्राओं को हिमाचल को एड्स मुक्त रखने की अपील की। एड्स जागरूकता सम्बन्धित लिखित प्रश्नोतरी प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई जिसमें योगिशा छठा सत्र बी.एस.सी. प्रथम, हिमानी, गितिका गर्ग, रोशनलाल, दीपिका व डिंपल शर्मा ने दूसरा तथा कविता, भावना व हेमन्त कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया इन सभी को महाविद्यालय की ओर से पुरस्कृत किया गया।

महिला प्रकोष्ठ :

प्रो. निर्मल कमल की अध्यक्षता में महिला प्रकोष्ठ ने निम्न कार्यों को किया-

1. महिला प्रकोष्ठ द्वारा सर्वप्रथम 12.07.2017 को महाविद्यालय की छात्राओं के साथ एक चर्चा सत्र का

आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं को महिला प्रकोष्ठ के कार्यों व महत्व के विषय में अवगत करवाया गया। छात्राओं को लिंग-भेद व सामाजिक समानता जैसे संवेदनशील विषयों की जानकारी भी दी गई।

2. 11 अगस्त, 2017 को महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ द्वारा मेहंदी व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 32 छात्राओं ने मेहंदी व 12 ने रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया। विजेताओं को सम्मानित किया गया।
3. चित्रकला, नारा-लेखन व पोस्टर (तस्वीर) निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन 15 अगस्त 2017 को किया गया जिसमें 29 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
4. विषय 'Bridging Gender Divide' पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, निबन्ध व नारा लेखन प्रतियोगिताएं करवाई गई। ये प्रतियोगिता हि.प्र. राज्य महिला आयोग के सौजन्य से करवाई गई जिसमें 50 छात्रों ने हिस्सा लिया व विजीत छात्रों को प्राचार्या डॉ. नीलम कौशिक ने तत्काल पुरस्कार राशि प्रदान की।

शैक्षणिक भ्रमणः

शैक्षणिक भ्रमण छात्र-छात्राओं को वास्तविक जीवन परिस्थितियों से परिचित करवाता है। उनमें आत्म विश्वास की बढ़ौतरी के साथ उन्हें ज्ञानलाभ भी देता है। इस सत्र में 27-31 जनवरी 2018 तक महाविद्यालय के कुल 39 विद्यार्थी ने प्राध्यापकों डॉ. राजकुमार और डॉ. आशा की अगुवाई में जयपुर, जोधपुर व जैसलमेर आदि स्थानों का भ्रमण किया।

प्राध्यापक वर्ग की उपलब्धियां:

डॉ. मीना शर्मा (सहायक प्रोफेसर जीव विज्ञान)ने सत्र 2017-18 में हि.प्र. विश्व विद्यालय के जीव विज्ञान विभाग के बार्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य के रूप में कार्य किया।

डॉ. राजकुमार (सहायक प्रोफेसर शारीरिक शिक्षा)ने इस वर्ष देव समाज कॉलेज चण्डीगढ़ में अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया व शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुरेन्द्र शर्मा (सह-प्रोफेसर संगीत विभाग) ने सत्र 2017-18 में एक निर्णायक के रूप में कई कार्यक्रमों में भाग लिया:

1. गुरू नानक देव विश्वविद्यालय के युवा महोत्सव अमृतसर में नवम्बर, 2018 में
2. देशभक्ति संगीत की प्रतियोगिता जम्मू कटरा में। सत्र 2017-18 में कई जिला व राज्य स्तरीय बेडमिन्टन प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया और सम्मान पाया। आईजोल (मिजोरम में) All India Badminton Tournament में भी अपने खेल का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के छात्रों ने भी आप के उचित मार्गदर्शन में कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया व विजेता बने। हि.प्र.वि.वि. के अन्तर महाविद्यालय युवा उत्सव समूह-II में जो अक्तूबर 2018 को धर्मशाला में हुआ उसमें कई पारितोषिक प्राप्त किए:

जैसे- समूह गान (भारतीय)- द्वितीय स्थान

समूह गान (पाश्चात्य)- तृतीय स्थान

डॉ. जगदीश शर्मा (सहायक प्रोफेसर, संस्कृत)

1. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र नई दिल्ली एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केन्द्र नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित- शारदालिपी कार्यशाला में 13-23 नवम्बर 2017 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया।
2. विश्वेश्वरा नन्द विश्वबन्धु संस्कृत भारत भारती अनुशीलन संस्थान, पंजाब विश्वविद्यालय, साधु आश्रम होशियारपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 17.18.2018 को आरण्यक ग्रन्थ एक अनुशीलन विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

श्रीमती अरूण बाला (पुस्तकालय अध्यक्षा) ने 5-9 जून, 2017 को UPES देहरादून में 'Capacity Building Programme of National Mission on Libraries' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला में 17-21 जुलाई, 2017 तक Inflibnet के "Regional Training Programme on Library Automation" में भाग लिया। आई.आई.टी. खड़गपुर द्वारा भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला विषय 'Institutional Digital Repository' में 21-22 सितम्बर, 2017 में हिस्सा लिया। केन्द्रीय राज्य पुस्तकालय सोलन द्वारा एस.सी.आर.टी. सोलन में पुस्तकालयाध्यक्ष/सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए आयोजित कार्यशाला में बतौर स्त्रोत विद 12,14 व 16 अगस्त 2017 में शामिल हुई।

डॉ. सुनील चौहान (सहायक प्रोफैसर राजनीतिक शास्त्र)ने रा.म. दाड़लाघाट में भी अपनी सेवाएं सप्ताह में दो दिन दीं। 18-19 मई, 2017 को राजकीय महाविद्यालय चौड़ा मैदान शिमला में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया व शोध पत्र भी प्रस्तुत किया। इनका एक शोध पत्र Himalayan Journal of Contemporary Research नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ। Health and Family welfare Department Solan द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला AIDS awaremess विषय पर भी आपने हिस्सा लिया। Rajiv Gandhi National Institute of Youth Development Regional Centre Chandigarh द्वारा 30 जनवरी से 3 फरवरी 2018 तक "Capacity Building Programme on Youth and Nation Building for NSS Programme officers" विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. चौहान को ग्राम पंचायत बातल द्वारा उत्तम सामूहिक व सार्वजनिक कार्यों के लिए एक प्रशंसा पत्र भी 10 फरवरी 2018 को दिया गया। 9 मार्च 2018 को हि.प्र. विश्वविद्यालय में NSS कार्यक्रम समन्वयक द्वारा आयोजित एक दिवसीय PFMS प्रशिक्षण शिविर में भी भाग लिया। NSS स्वयंसेवियों में देश भक्ति की भावना के विकास हेतु आपने जलियाँवाला बाग व बाघा बोर्डर के शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन भी किया।

डॉ. हरीन्द्र लाल (सहायक प्रोफेसर रसायन विज्ञान)ने 20 नवम्बर, 2017 को H.P. Council for Science, Technology and Environment द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। राजकीय महाविद्यालय शिमला चौड़ा मैदान में आयोजित तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. मोहिन्द्र सिंह-सहायक प्रोफेसर (वाणिज्य)ने 14-15 जुलाई, 2017 को NIT Hamirpur में राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध-पत्र प्रस्तुत किया। जनवरी 2018 को महाराष्ट्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और शोध-पत्र प्रस्तुत किया। इसी सत्र के दौरान आपका ANUSILANA-Research Journal of Indian Cultural, Social and Philosephical Stream Banaras Hindu University Varanasi में एक शोध पत्र छपा।

डॉ. नवीन भारद्वाज (सहायक प्रोफेसर अर्थशास्त्र) ने राजकीय महाविद्यालय शिमला, चौड़ा मैदान में 7-10 दिसम्बर, 2017 आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र पढ़ा।

श्री आदित्य सिंह दुल्टा (सहायक प्रोफेसर अंग्रेजी)ने राष्ट्रीय प्रौद्योयोगिकी संस्थान हमीरपुर में 14-15 जुलाई, 2017 को राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध-पत्र प्रस्तुत किया। तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र राजकीय महाविद्यालय शिमला, चौड़ा मैदान में 7-9 दिसम्बर, 2017 को प्रस्तुत किया।

श्री यशवन्त शाण्डिल (सहायक प्रोफेसर रसायन विज्ञान)ने सत्र 2017-18 में रसायन विज्ञान में अपना पी.एच. डी. का शोध प्रबन्ध हि.प्र.वि.वि. में जमा किया।

सुश्री याशिका गुलेरिया (सहायक प्रोफेसर वाणिज्य)ने हि.प्र. विश्वविद्यालय में 14-15 अक्तूबर, 2017 को आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया। 7-8 दिसम्बर, 2017 को राजीव गांधी राजकीय महाविद्यालय,चौड़ा मैदान, शिमला में विषय "Opportunities and challenges of 21st Century" पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया व पत्र प्रस्तुत किया। हि.प्र. राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय शिमला द्वारा आयोजित 3 दिवसीय संगोष्ठी में 8-10 दिसम्बर,2017 को भाग लिया व शोध पत्र प्रस्तुत किया। Himalayan Journal of contemporary Research में इसी सत्र के दौरान शोध पत्र छपा। सत्र 2017-18 Impact: International Journal of Research in Humanities, Arts & Literature में भी आपका शोध पत्र छपा।

डॉ. आशा शर्मा (सहायक प्रोफेसर हिन्दी) ने मई, 2017 में एस.सी.आर.टी. सोलन में आयोजित 15 दिवसीय Induction Course में भाग लिया। 30 व 31 अगस्त, 2017 को राजकीय महाविद्यालय सोलन और केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा के संयुक्त तत्वाधान में 'छायावाद और छायावादोत्तर कवियों की काव्यदृष्टि' विषय पर सोलन में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

15 दिसम्बर 2017 को राजकीय महाविद्यालय अर्की और हि.प्र. राज्य महिला आयोग के संयुक्त तत्वाधान से 'Protection and Empowerment of Women Rights in H.P. 'विषय पर रा.म.अर्की में आयोजित निबन्ध लेखन, नारा लेखन व वाद-विवाद प्रतियोगिता के आयोजन में सहायता की। महाविद्यालय के साथ-साथ रा. महाविद्यालय दाड़लाघाट में भी सप्ताह में दो दिन अपनी सेवाएं दे रहीं हैं। महाविद्यालय में डाक विभाग सोलन के सौजन्य से अगस्त 2017 को Bapu Mahatma Gandhi you Inspired me विषय पर पत्र लेखन प्रतियोगिता करवाई।

श्री किशोरी लाल चन्देल, सहायक आचार्य (इतिहास), ने सत्र 2017-18 के दौरान कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं सेमिनार में अपने शोध पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित किए, जिसमें प्रमुख है: अंतर्विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन, 9 से 10 अक्तूबर 2017, राजकीय महाविद्यालय रोहड़ू, इतिहास कला और संस्कृति पर राष्ट्रीय सेमिनार, 14 से 15 नवम्बर, 2017, गेयटी थियेटर, शिमला, भारतीय इतिहास कांग्रेस, 78वां सत्र, 28 से 30 दिसम्बर, 2017 जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकता, दक्षिण एशिया इतिहास सम्मेलन, 10 से 12 नवम्बर, 2017, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, दक्षिण एशिया इतिहास सम्मेलन, 10 से 12 नवम्बर, 2017 पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, भाषा एवं संस्कृति विभाग, हि.प्र. सरकार द्वारा वित्त्पोषित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, 3 से 4 मार्च, 2018, देवसदन, कुल्लू। इनके द्वारा भारतीय इतिहास कांग्रेस के 77वें सत्र (जो त्रिवेद्रम विश्वविद्यालय, केरल में हुआ) में प्रस्तुत शोध पत्र को सत्र के पुरातत्व अनुभाग का सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र घोषित किया गया और शोध पत्र को प्रो.

सुधीर रंजन दास मेमोरियल राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इन्होंने इसी सत्र में अपना पी.एच.डी. शोध प्रबंध 5 मार्च 2018 को पूरा किया।

विभागीय परीक्षा:
श्रीमती अरूण बाला, डॉ. हरीन्द्र लाल, प्रो. निर्मल कमल, डॉ. नवीन भारद्वाज ने इस सत्र में विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण की।

गैर शिक्षक वर्ग की उपलब्धियां :
श्री रोहित शर्मा (वरिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक)ने 5 दिसम्बर, 2017 को विषय "Procurement of Equipments and Science Material and their Disposal" पर स्त्रोत विद के रूप में SCERT, सोलन में व्याख्यान दिया।
श्री कांशी राम (प्रयोगशाला परिचारक) ने SCERT सोलन में 4-8 दिसम्बर, 2017 को 5 दिवसीय 'In Service Training Programme for Lab Attendants' में भाग लिया।

विभागीय उपलब्धियां:
रा. महाविद्यालय अर्की के जीव विभाग द्वारा 28 फरवरी 2017 को छठे सत्र के विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को एशिया के सबसे बड़े मत्स्य बीज उत्पादन केन्द्र दियोली, बिलासपुर का भ्रमण करवाया गया जिससे विद्यार्थियों को विषय की व्यावहारिक जानकारियां मिल सकीं।
राजकीय महाविद्यालय अर्की द्वारा शारीरिक शिक्षा एवं खेल-कूद विभाग में इस वर्ष शानदार आधुनिक व्यायामशाला छात्रों को समर्पित की।

धन्यवाद ज्ञापनः
समस्त महाविद्यालय परिवार, प्राध्यापक वर्ग, कर्मचारी वर्ग, केन्द्रीय छात्रसंघ और सभी छात्र-छात्राओं की ओर से मैं मुख्यातिथि महोदया श्रीमती नीलम कौशिक जी का आभार प्रकट करता हूं जिन्होंने समस्त व्यस्तताओं के बावजूद अमूल्य समय निकाल कर हमारे वार्षिकोत्सव में पधार कर हमारा मार्गदर्शन व उत्साह वर्धन किया। यहां उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का मैं आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने इस समारोह में सम्मिलित होकर हमारे उत्साह में वृद्धि की है।
अभिभावक अध्यापक संघ के प्रधान एवं समस्त कार्यकारिणी का भी मैं धन्यवाद करता हूं जिन्होंने महाविद्यालय के विकास कार्यों में सक्रिय सहयोग दिया है। पी. डब्ल्यू. डी., आई.पी.एच., बिजली विभाग, वन विभाग व स्थानीय पुलिस का भी हृदय से सहयोग हेतु धन्वाद करता हूँ। प्राध्यापक, कर्मचारी वर्ग, मीडिया बन्धु, केन्द्रीय छात्र संघ और सभी छात्र-छात्राओं का भी मैं धन्यवाद करता हूं जिन्होंने आज के समारोह को सफल बनाया। अन्ततः सभी मेधावी छात्रों को बधाई व साधुवाद जिन्हें आज पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव मिला है। मैं सभी के सुखद व उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।